www.sanjanabharati.com

गौतम बुद्ध नगर और दिल्ली से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : UPHIN/2022/83688

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व न...

3 राजौंद के असंध मार्ग, वार्ड 6, राधा स्वामी...

4 बहनों की मुस्कान ही सरकार की पूंजी है...

वर्ष: 3 | अंक: 359 | गौतम बुद्ध नगर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

त्रिपुरा में 24 घंटे के बंद से जनजीवन अस्त-व्यस्त, एम्बुलेंस रोकी

त्रिपुरा (एजेन्सी)। त्रिपुरा सिविल सोसाइटी ने गुरुवार (23 अक्टूबर) को 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के विधायक रंजीत देबबर्मा ने कहा कि बंद को लागू करने के लिए राज्य भर में 25 स्थानों पर बैरिकेड्स लगाए जाएँगे। अगरतला के प्रमुख स्थानों, जैसे सर्किट हाउस, उत्तरी द्वार और राज्य विधानसभा, पर भी बैरिकेड्स लगाए जाएँगे। देबबर्मा ने कहा, "यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है जहाँ सभी वर्ग के लोग राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर बंद में शामिल होंगे। हम अपनी माँगों के समर्थन में इस बंद को शांतिपूर्ण ढंग से सफल बनाने के लिए तैयार हैं।" टिपरासा सिविल सोसाइटी द्वारा आहूत 24 घंटे के राज्यव्यापी बंद के बाद आज त्रिपुरा में व्यापक तनाव और व्यवधान देखा गया। कथित तौर पर टिपरा मोथा कार्यकताओं द्वारा समर्थित इस आंदोलन के कारण नाकाबंदी, विरोध और प्रशासनिक निष्क्रियता की कई घटनाएँ हुई, जिससे जनता में आक्रोश फैल गया और राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठने लगे।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में मंदिर बोर्ड के पूर्व अधिकारी मुरारी बाबू गिरफ्तार

केरल (एजेन्सी)। केरल के सबरीमाला मंदिर से गायब हुए सोने की जाँच कर रहे विशेष जाँच दल ने पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बाबू, जिन्हें त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने सोने की चोरी के मामले में निलंबित कर दिया था, को बुधवार रात चंगनास्सेरी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। यह मामला मंदिर के स्वर्ण-चढ़ाए गए पैनलों से सोने की कथित हेराफेरी और द्वारपालक की मूर्तियों पर स्वर्ण-चढ़ाए गए काम में अनियमितताओं से संबंधित है। अधिकारियों ने बताया कि बाद में उन्हें पूछताछ के लिए तिरुवनंतपुरम स्थित अपराध शाखा कार्यालय ले जाया गया। सूत्रों के अनुसार, बाबू के रिश्तेदार गुरुवार सुबह अपराध शाखा कार्यालय पहुँचे। सुबह करीब 10 बजे, एसआईटी ने औपचारिक रूप से उनकी गिरफ्तारी दर्ज की और उनके परिवार के सदस्यों को पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। बाद में उन्हें उनसे मिलने की अनुमति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि एसआईटी शाम को बाबू को पठानमथिट्टा स्थित न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश करेगी।

राजधानी दिल्ली के 1300 से अधिक घाटों पर भव्य छठ पूजा का होगा आयोजन

उपराज्यपाल सक्सेना और मंत्री कपिल मिश्रा ने वासुदेव घाट का किया संयुक्त निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। 'छठ पूजा 2025' की तैयारियों को लेकर दिल्ली सरकार युद्धस्तर पर जुटी हुई है। इसी क्रम में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने वासुदेव घाट का संयुक्त निरीक्षण किया और सम्बंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए कि पर्व के आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी न रह जाए। सफाई, लाइटिंग, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था समयबद्ध रूप से पूरी की जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान दिल्ली सरकार, नगर निगम एवं सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली में इस वर्ष 1300 से अधिक घाटों पर भव्य छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। यमुना किनारे किए जा रहे इंतजाम इस बार अभूतपूर्व और ऐतिहासिक स्तर के हैं। दिल्ली में पहली बार इतना व्यापक आयोजन छठ पर्व के मद्देनजर किया जा रहा है, इसलिए दिल्ली सरकार की तैयारियाँ भी जोरदार और सुनियोजित हैं।

निरीक्षण के दौरान श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में इस वर्ष छठ पूजा का आयोजन अब तक का सबसे व्यापक आयोजन होने जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव मिले। उपराज्यपाल महोदय के साथ आज वासुदेव घाट का निरीक्षण किया और सभी विभागीय अधिकारियों को समय से तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगे कहा कि ये कहने वाली नहीं, करने वाली सरकार है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी की सरकार की यह पहली छठ पूजा है और पहली ही छठ पूजा में यमुना किनारे पूजन का संकल्प पूरा होने जा रहा है। यह दिल्ली के लिए गौरव का क्षण है कि श्रद्धालु यमुना तट पर परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना कर सकेंगे। श्री कपिल मिश्रा ने आगे कि पिछली सरकार ने जानबूझकर छठ पूजा पर रोक लगाई थी।

केजरीवाल ने पूर्वांचल के लोगों का अपमान किया, लेकिन इस बार पूर्वांचल के लोग स्वाभिमान और गर्व के साथ अपना छठ पर्व मनाएंगे। पिछले 6 साल से यमुना किनारे छठ पूजा पर केजरीवाल ने बैन लगाया हुआ था, मगर इस बार ऐसा नहीं है। अब दिल्ली की सरकार हर श्रद्धालु के साथ खड़ी है।

एक्सप्रेस-वे पर हर 100 किमी पर छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए: योगी आदित्यनाथ

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक तथा जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को अग्निशमन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं तथा सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हों। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में

■ मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस करने के दिए निर्देश

विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउंट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 तथा अराजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस-वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर फायर टेंडर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किया जा सके।

बैठक में बताया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर अग्निशमन सेवाओं की समुचित जनशक्ति पहले ही तैनात की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर सर्विस जनता के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में त्वरित, कुशल और उत्तरदायी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने त्योहारी सीजन में यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा की

छठ त्योहार की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अगले चार दिनों में 1,205 विशेष ट्रेनें

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली स्थित रेलवे बोर्ड के वॉर रूम का दौरा किया और त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा की। श्री वैष्णव ने कहा कि मंडल, जोन और रेलवे बोर्ड स्तर पर वॉर रूम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड को सभी स्थानों से लाइव फीड प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्टेशनों पर मिनी कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं। यह निगरानी प्रणाली देश भर में प्रत्येक स्टेशन की स्थिति, अतिरिक्त ट्रेनों की आवश्यकता और अन्य परिचालन आवश्यकताओं के संबंध में वास्तविक समय में समन्वय स्थापित करने में सक्षम बनाती है।

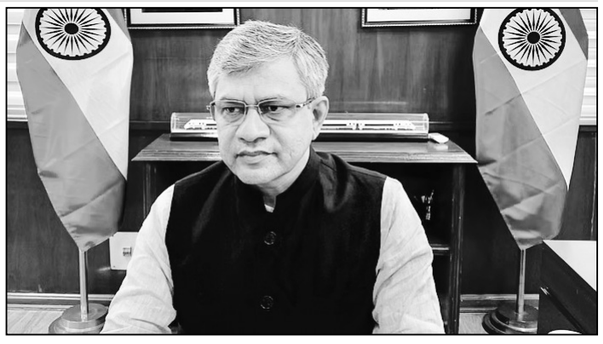

■ अक्टूबर-नवंबर में बिहार के लिए 2,220 विशेष ट्रेनें
■ रवनीत सिंह बिट्टू ने अंबाला कैंट स्टेशन का किया दौरा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि होल्डिंग और प्रतीक्षालय बनाए जाने से स्टेशनों पर यात्रियों का व्यवस्थित प्रवेश सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगभग 10,700 आरक्षित और 3,000 अनारक्षित ट्रेनें चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर विशेष ट्रेनों की सटीक संख्या निर्धारित की जाती है, जिसे प्रत्येक गंतव्य के लिए मांग का आकलन करने हेतु एक मॉडल में शामिल किया जाता है। श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की संख्या में पहली बार वृद्धि 17 से 20 अक्टूबर के बीच देखी गई, जिसमें 18 और 19 अक्टूबर को सबसे अधिक भीड़ रही, जबकि 22 से 24 अक्टूबर के बीच यात्रियों की संख्या में दूसरी बार वृद्धि होने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि नई दिल्ली स्टेशन पर एक स्थायी होल्डिंग क्षेत्र अब यात्रियों को काफी सुविधा प्रदान करता है, जिसकी क्षमता 7,000 से अधिक लोगों के लिए है, इसमें पुरुषों के लिए 150 और महिलाओं के लिए 150 शौचालय, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें, टिकट काउंटर और मुफ्त आरओ पानी की सुविधा उपलब्ध है।

रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन का दौरा किया और त्यौहारी सीजन के दौरान भारतीय रेलवे द्वारा की गई विशेष व्यवस्था का निरीक्षण किया।

22 से 24 अक्टूबर के बीच यात्रियों की अधिकतम संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए, रेलवे ने छठ पूजा से पहले सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। नियमित रेल सेवाओं के अलावा, छठ पर्व पर आने वाली भीड़ को देखते हुए अगले चार दिनों में 1,205 विशेष रेलगाड़ियाँ चलेंगी। 21.10.2025 को, दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों-नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद से 1,69,986 अनारक्षित बाहरी यात्री सवार हुए, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के अगले दिन 01.11.2024) की तुलना में 5.62% की वृद्धि है। इसी प्रकार, 22.10.2025 को, दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों - नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद से 1,71,753 अनारक्षित बाहरी यात्री सवार हुए। पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के दूसरे दिन 02.11.2024) की तुलना में 7.01% की वृद्धि। दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 6 गुजरने वाली विशेष ट्रेनों के अलावा 30 विशेष ट्रेनें चलने वाली थीं। 24 अक्टूबर को, दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 17 विशेष ट्रेनें चलने वाली हैं।

भारतीय रेलवे सावधानीपूर्वक योजना, बेहतर यात्री सेवाओं और सुविधा व देखभाल पर विशेष ध्यान देकर एक सहज यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रा में वृद्धि को संभालने के लिए, विशेष ट्रेनों की एक मजबूत समय-सारिणी लागू की गई है। 1 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 के बीच पूरे भारत में संचालित की जा रही 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनों में से 2,220 ट्रेनें त्योहारी यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए बिहार के लिए चलेंगी।

बिहार जाने वाले यात्रियों ने रेलवे द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया है और विशेष ट्रेनों, स्वच्छता और सहज यात्रा अनुभव की प्रशंसा की है। शांभवी भारद्वाज ने नई दिल्ली से सोनपुर की यात्रा की और रेलवे स्टेशन तथा ट्रेन में उपलब्ध स्वच्छता और सुविधाओं की सराहना की। विक्रमशिला एक्सप्रेस के माध्यम से आनंद विहार-भागलपुर जाने वाले यात्रियों ने भारतीय रेलवे द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की सराहना की। त्योहार विशेष ट्रेनों के यात्रियों ने भी भारतीय रेलवे की उन्नत सुविधाओं की सराहना की।

सोनपुर मंडल के हाजीपुर स्टेशन पर स्वच्छता व्यवस्था ने न केवल भारतीय यात्रियों को, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी प्रभावित किया है। कई यात्रियों ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन स्थित यात्री सुविधा केंद्र की सुविधाओं की प्रशंसा की। उन्होंने स्वच्छता और समग्र व्यवस्था की भी सराहना की।

त्योहारों की भीड़ के बावजूद, समर्पित रेल कर्मचारियों ने छठ पूजा के दौरान बुजुर्गों, दिव्यांगों और जरूरतमंद लोगों की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष देखभाल प्रदान की।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रसव पीड़ा से पीड़ित एक यात्री को तुरंत सहायता और प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। महिला कर्मचारी उसे आगे की देखभाल के लिए अस्पताल ले गईं। भारतीय रेल हर जरूरतमंद यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अपने विशाल नेटवर्क, प्रतिबद्ध कार्यबल और यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, भारतीय रेल हर यात्री को कुशलता और देखभाल के साथ सेवा प्रदान करने के अपने वादे पर अडिग है। अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन से लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और समय की पाबंदी बनाए रखने तक, त्योहारों की भीड़ के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है। रेलवे कर्मचारियों के सक्रिय उपाय और समर्पण, देश भर के यात्रियों के लिए त्योहारों के मौसम की यात्राओं को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुव्यवस्थित बनाने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

तेजस्वी यादव बने महागठबंधन के सीएम फेस, डिप्टी सीएम के लिए मुकेश सैनी घोषित

पटना (एजेन्सी)। बिहार की राजनीति में गुरुवार शाम नया मोड़ तब आया जब महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को आधिकारिक रूप से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया हैं। पटना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा अशोक गहलोत ने की। इसी दौरान विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया गया हैं और बताया गया है कि एक और डिप्टी सीएम का नाम आगे चलकर घोषित किया जाएगा। गौरतलब है कि सीट बंटवारे को लेकर लंबे समय से चल रही गहमागहमी और कई चरणों की वार्ताओं के बाद यह फैसला सार्वजनिक हुआ हैं। कांग्रेस की ओर से यह भी संदेश दिया गया कि इंडिया गठबंधन किसी एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षा नहीं बल्कि साझा नेतृत्व और परस्पर सम्मान पर आधारित राजनीतिक प्रयास हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार फिलहाल कुछ सीटों पर RJD और कांग्रेस दोनों के उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि कुछ सीटों पर CPI जैसे छोटे सहयोगियों के साथ सीधी टक्कर की स्थिति बन रही है।

विकसित राजस्थान @ 2047 विजन डॉक्यूमेंट

वर्ष 2047 तक राजस्थान बनेगा विकसित राज्य

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। उनके इस लक्ष्य में अपना योगदान देने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान/2047 के संकल्प को लेकर कार्य कर रही है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान/2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है। युवा, महिला, किसान और गरीब को केन्द्र में रखते हुए यह दस्तावेज विकसित भारत/2047 की आंकाक्षाओं के अनुरूप राजस्थान का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करेगा। गत अगस्त माह में सम्पन्न हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस विजन डॉक्यूमेंट का अनुमोदन भी कर दिया गया है।

विजन डॉक्यूमेंट में कृषि, उद्योग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा को प्रमुख आधार बनाते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर बनाने की परिकल्पना की गई है। इस प्लान के मुताबिक प्रदेश में विकसित देशों की तर्ज पर सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही, शत-प्रतिशत साक्षरता, सुलभ स्वास्थ्य, सतत जल प्रबंधन, स्मार्ट शहरीकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं युवा व महिला सशक्तीकरण के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार ने वर्ष 2047 के दूरगामी लक्ष्य को हासिल करने के लिए चरणबद्ध रूप से विकास की रूपरेखा बनाई है। इसके लिए वर्ष 2030, 2035 और 2040 के मध्यवधि लक्ष्य भी तय किए गए हैं। इस प्रकार विभिन्न चरणों में आकार लेते हुए राज्य के विकास की तस्वीर पूर्ण होगी।

विकास के इस दस्तावेज को प्रमुख रूप से 4 थीम्स और 13 सेक्टर्स में बांटा गया है। पहली थीम जन कल्याण एवं सामाजिक सशक्तीकरण पर आधारित है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण को शामिल किया गया है। दूसरी थीम त्वरित विकास, समृद्धि एवं रोजगार सृजन पर आधारित है, जिसमें उद्योग, खनन व आर्थिक वृद्धि के साथ ही, पर्यटन एवं सांस्कृतिक विकास को जोड़ा गया है।

डॉक्यूमेंट की तीसरी थीम भविष्य उन्मुख राजस्थान, आधारभूत अवसंरचना और सतत विकास पर आधारित है। इसमें आधारभूत विकास, जल सुरक्षा एवं अनुकूलता तथा पर्यावरण स्थायित्व व जलवायु अनुकूलता जैसे सेक्टर्स को समाहित किया गया है। इसका चौथा विषय नीति, वित्त और शासन के विजन को समेटे हुए हैं, जिसमें ग्रामीण और शहरी विकास, प्रभावी शासन व्यवस्था, सार्वजनिक सेवाएं और वित्तीय प्रबंधन व आर्थिक नीति को जोड़ा गया है।

विजन डॉक्यूमेंट में राज्य के विकास लक्ष्य का आधार दुनिया के विकसित देशों के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल पैरामीटर्स को माना गया है। उदाहरण के लिए जर्मनी का क्षेत्रफल और वहां की जनसंख्या राजस्थान के लगभग बराबर है।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए करीब 2000 टीमें तैनात

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन तथा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने सर्दियों के मौसम में प्रदूषण नियंत्रण के लिए जमीनी स्तर पर अभियान और तेज कर दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री श्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली में पूरे साल चौबीसों घंटे के लिए लागू की गई रणनीति नतीजे दे रही है। दिल्ली का AQI 305 पर है जो कल से लगभग 50 अंक बेहतर है। ये सुधार साफ दिखाता है कि तेज जमीनी स्तर पर प्रदूषण के खिलाफ की गई कार्रवाई से फर्क पड़ रहा है, श्री सिरसा ने कहा। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि प्रदूषण के हॉटस्पॉट्स पर लगातार नजर रखें और ग्रीन वॉर रूम के जरिए मिलकर काम करें।

करीब 2000 टीमें दिन-रात ग्राउंड पर काम कर रही हैं। दिल्ली का मॉडल सिर्फ सर्दियों के लिए नहीं, बल्कि सालभर की जवाबदेही और पारदर्शिता पर आधारित है, श्री सिरसा ने कहा। सिरसा ने आगे बताया कि दिल्ली सरकार मौजूदा प्रयासों के साथ भविष्य की तैयारी पर भी काम कर रही है।

हमारे प्रयास सिर्फ गुरुवार के लिए नहीं हैं, बल्कि आने वाले समय को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं। जल्द ही 70 नए मैकेनाइज्ड स्वीपर, 70 अतिरिक्त एंटी-स्मॉग गन, वाटर स्प्रिंकलर और 140 लिटर पिकर लगाए जा रहे हैं जो 1440 किलोमीटर सड़कों को कवर करेंगे। साथ ही इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली क्लीन एयर चैलेंज जारी है और IIT कानपुर व IMD के सहयोग से जल्द ही क्लाउड सीडिंग की जाएगी, उन्होंने कहा।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने में सक्षम बनाएंगे: भगवंत सिंह मान

संजना भारती संवाददाता

मोरिंडा (रूपनगर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं का भविष्य सुनहरा बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है ताकि हमारे युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने में सक्षम बन सकें। मुख्यमंत्री यहां शहीद सूबेदार मेवा सिंह स्कूल ऑफ एमिनेंस के विद्यार्थियों से मिलने पहुंचे। इस दौरान विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में शिक्षा क्रांति के एक नए युग की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि यह क्रांति विद्यार्थियों को भविष्य के प्रतिस्पर्धी माहौल के लिए तैयार कर रही है और उन्हें जीवन में नई ऊंचाइयां छूने योग्य बना रही है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि एक ओर जहां युवाओं को रोजगार देने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं, वहीं दूसरी ओर युवाओं की असीम ऊर्जा को सही दिशा में लगाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह हवाई अड्डों पर रनवे विमान को उड़ान भरने में मदद करते हैं, उसी तरह राज्य सरकार युवाओं को उनके सपने साकार करने में सहायता कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के बच्चों को उनके सपनों को हकीकत में बदलने और जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए राज्य ने वर्ष 2022 में शिक्षा क्रांति की शुरूआत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम अतीत की ओर देखते हैं तो दुख होता है कि किस तरह गलत नीतियों ने गरीब बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे क्रांतिकारी कदम उठाए हैं जिनकी पूरे देश में सराहना की जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए जा रहे हैं, जिन पर अब तक 231.74 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन स्कूलों को गरीब बच्चों के उज्जवल भविष्य की दिशा में एक शानदार शुरूआत माना जा रहा है।

सम्पादकीय

कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की उमड़ रही है भारी भीड़

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरू कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश-दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए। वे अब भी यहां-वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रही है। अपने घर जाने के लिए घंटों लाइन में लगकर यात्री ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करें, यह किसी भी देश के लिए शर्मिंदगी का प्रसंग होना चाहिए। लेकिन भारत में अब ऐसे प्रसंगों पर आंख मूंद ली जाती है, मानो इनका कोई महत्व ही नहीं है। इसकी बजाए प्रचार तंत्र के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि सरकार को यात्रियों की कितनी फिक्र है। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचकर भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लिया। बताया गया कि स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री सुविधा केंद्र और अतिरिक्त टिकटिंग काउंटर बनाए गए हैं। अच्छी बात है कि दिल्ली के एक स्टेशन पर इतनी सुविधा की गई है। लेकिन क्या यात्री केवल दिल्ली से ही सवार होते हैं। सूरत में लगी लाइन पर रेल मंत्री क्या कहेंगे। क्या प्रधानमंत्री मोदी को अपने ही गृहराज्य में प्रवासी मजदूरों की इस भीड़ को देखकर अपने विकास के दावे खोखले नहीं लगते। ध्यान दें कि अभी बिहार चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी जितनी बार बिहार पहुंच रहे हैं, वे विकास की बड़ी-बड़ी बातें ही कर रहे हैं। दावे कर रहे हैं कि डबल इंजन की सरकार में सबको सुख मिलेगा। हालांकि बिहार में अब भी डबल इंजन यानी बीजेपी और जेडीयू की ही सरकार है, तब भी वहां लोगों को रोजगार नहीं मिला और काम की तलाश में ही लोगों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ा। बिहार का मजदूर गुजरात से लेकर दिल्ली, उत्तराखंड, असम और कश्मीर तक हर जगह मिल जाएगा। इसी मजदूर वर्ग को छठ पूजा के लिए जब अपने घर-गांव लौटने का मन होता है, तो वो ट्रेनों में भेड़-बकरियों की तरह ठूंस कर भी आने की कोशिश करता है। हालांकि इसमें कई बार जान का जोखिम होता है। जैसे तीन दिन पहले मुंबई से बिहार जाने वाली कर्मभूमि एक्सप्रेस को पकड़ने की कोशिश में तीन यात्री ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नासिक रेलवे स्टेशन पर ये हादसा हुआ। कर्मभूमि एक्सप्रेस यहां रुकती नहीं है, लेकिन धीमी होती है। जिस पर चढ़ने की कोशिश तीन लोगों ने की। मान लिया कि उन लोगों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की भारी गलती की और ट्रेन का स्टॉपेज नहीं है, तो उस पर नहीं चढ़ना चाहिए था। लेकिन कोई तो मजबूरी रही होगी जिस वजह से ऐसा जोखिम पीड़ितों ने उठाया होगा। त्योहार के मौसम में सरकार ऐसी व्यवस्था पहले से क्यों नहीं करती कि सारे लोग आराम से आना-जाना कर सकें।

बिहार में भाजपा ने यादव उम्मीदवारों की संख्या घटाई तो जेडीयू ने मुस्लिमों को कम टिकट दिये

राजद ने भी अपने हिस्से का सबक सीख लिया है। पार्टी को यह एहसास हो गया है कि केवल यादव-मुस्लिम समीकरण, जिसकी नींव लालू प्रसाद यादव ने 1990 के दशक में रखी थी, अब सत्ता वापसी के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए इस बार राजद ने अति पिछड़ों, दलितों और महिलाओं को भी अपने गठबंधन में जगह देने की कोशिश की है

-नीरज कुमार दुबे

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपने उम्मीदवार चयन में एक स्पष्ट रणनीतिक मोड़ लिया है। जहां पिछली बार भाजपा और जद (यू) दोनों दल यादव समुदाय को साधने की कोशिश में लगे थे, वहीं इस बार उन्होंने उस सामाजिक प्रयोग से पीछे हटकर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया है। भाजपा ने इस बार केवल 6 यादव उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि 2020 में यह संख्या 16 थी। इसी तरह नीतीश कुमार की जद (यू) ने भी यादव प्रत्याशियों की संख्या 18 से घटाकर 8 कर दी है। इसकी बजाय भाजपा ने कई सीटों पर कुशवाहा, निशाद और वैश्य समुदायों को टिकट देकर संकेत दिया है कि पार्टी अब गैर-यादव पिछड़ों और परंपरागत उच्च जातियों पर भरोसा बढ़ा रही है।

इसके अलावा, जद (यू) ने अपने मुस्लिम प्रत्याशियों की संख्या भी 11 से घटाकर केवल 4 कर दी है। यह इस बात का प्रमाण है कि अब वह यह मानकर चल रही है कि मुस्लिम मतदाता स्थायी रूप से राजद खेमे में जा चुके हैं। नीतीश की पार्टी ने 25 टिकट कुर्मी-कोयरी (कुशवाहा) जातियों को और 22-22 टिकट ऊँची जातियों व अत्यंत पिछड़े वर्गों को दिए हैं।

हम आपको बता दें कि 2014 के बाद से भाजपा ने लगातार प्रयास किया कि वह बिहार में यादव और मुस्लिमों जैसे पारंपरिक रूप से राजद समर्थक वर्गों में सेंध लगाए। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने कई यादव उम्मीदवार उतारकर यह संकेत दिया था कि वह लालू के यादव वोट बैंक को तोड़ने के लिए तैयार है। परंतु वास्तविकता यह है कि यादव समुदाय ने राजद से अपनी निष्ठा नहीं तोड़ी-बल्कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उसने और मजबूती से INDIA गठबंधन के साथ खड़ा होना चुना।

यही कारण है कि भाजपा और जद (यू) दोनों ने अब अपने प्रयोगों को सीमित कर दिया है। भाजपा ने स्पष्ट रूप से यह मान लिया है कि यादव-मुस्लिम समीकरण को तोड़ना अब निकट भविष्य में संभव नहीं। इसलिए पार्टी ने अपना ध्यान कोर वोट बैंक, यानी उच्च जातियों, गैर-यादव ओबीसी, ईबीसी और अनुसूचित जातियों के भीतर एक मजबूत एकजुटता बनाने पर केंद्रित कर दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह वही फामूर्ला है जिसने भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनावों में बिहार में बड़ी सफलता दिलाई थी। तब एनडीए ने गैर-यादव पिछड़ों और दलितों के बीच जातीय रेखाओं को पार करते हुए नरेंद्र मोदी बनाम लालूवाद का नारा उभारा था। अब वही रणनीति बिहार विधानसभा चुनावों में दोहराई जा रही है-बस अधिक संगठित रूप में।

दूसरी ओर, राजद ने भी अपने हिस्से का सबक सीख लिया है। पार्टी को यह एहसास हो गया है कि केवल यादव-मुस्लिम समीकरण, जिसकी नींव लालू प्रसाद यादव ने 1990 के दशक में रखी थी, अब सत्ता वापसी के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए इस बार राजद ने अति पिछड़ों, दलितों और महिलाओं को भी अपने गठबंधन में जगह देने की कोशिश की है।

तेजस्वी यादव का प्रयास है कि वह सामाजिक न्याय की पुरानी अवधारणा को नव-समाजवाद के नए संस्करण में ढालें, यानी आर्थिक असमानता और बेरोजगारी को जातीय सीमाओं से ऊपर उठाकर नया जनाधार बनाएं। परंतु एनडीए का सामाजिक संकेंद्रण मॉडल इस कोशिश के लिए एक सीधी चुनौती है क्योंकि भाजपा और जद (यू) अब उन वर्गों में पैठ बना चुके हैं जो कभी लालू के पिछड़ा-आधारित गठबंधन की आत्मा थे।

उधर, नीतीश कुमार की जद (यू) इस बार अधिक असुरक्षित स्थिति में है। पार्टी ने जब 2022 में एक बार फिर भाजपा के साथ हाथ मिलाया, तब से उसके मुस्लिम वोटर लगभग पूरी तरह छिटक चुके हैं। अब नीतीश का भरोसा अपने जातीय आधार कुर्मी-कोयरी वोट बैंक और भाजपा समर्थक ऊँची जातियों पर है। लेकिन नीतीश के सामने दुविधा यह भी है कि भाजपा की बढ़ती संगठनात्मक ताकत उनके पारंपरिक इलाकों में भी सेंध लगा रही है। ऐसे में जद (यू) के लिए यह चुनाव जीत की रणनीति से अधिक अस्तित्व की परीक्षा बन गया है।

भविष्य का परिदृश्य देखें तो बिहार के इस चुनावी मैदान में दो समानांतर रणनीतियाँ आमने-सामने हैं। पहली है एनडीए की रणनीति। इसके तहत कम दायरे में परंतु मजबूत और अनुशासित वोट बैंक को संगठित किया जा रहा है। दूसरी है राजद-INDIA गठबंधन की रणनीति। इसके तहत पारंपरिक आधार को बरकरार रखते हुए नए सामाजिक समूहों को जोड़ने का प्रयास चल रहा है। यदि एनडीए का कोर वोट बैंक मॉडल सफल होता है, तो यह बिहार की राजनीति में यादव-मुस्लिम एकाधिकार के दौर का अंत हो सकता है। वहीं अगर राजद का विस्तारित गठबंधन काम कर जाता है, तो यह संदेश जाएगा कि बिहार की राजनीति अब धर्म या जाति की संकीर्ण रेखाओं से बाहर निकलने लगी है। बिहार का जनादेश किस दिशा में जाएगा? यदि इस सवाल की पड़ताल करें तो उभर कर आता है कि बिहार चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए संतुलन का चुनाव है। भाजपा-जद (यू) गठबंधन की यह रणनीति बताती है कि एनडीए अब प्रयोग नहीं, स्थायित्व चाहता है-चाहे इसके लिए उसे सामाजिक विस्तार का कुछ हिस्सा क्यों न छोड़ना पड़े। यह रणनीति अल्पकालिक रूप से कारगर हो सकती है क्योंकि एनडीए के पास अब भी ऊँची जातियों, गैर-यादव पिछड़ों और दलित वर्गों का ठोस समर्थन है। परंतु दीर्घकाल में यह मॉडल तभी टिकेगा जब इन वर्गों की आकांक्षाएँ केवल जातीय संतुलन नहीं, बल्कि विकास और रोजगार की ठोस उपलब्धियों से जुड़ सकें।

बहरहाल, बिहार की राजनीति इस बार जातीय गणित से ज्यादा रणनीतिक मनोविज्ञान पर निर्भर करेगी। एनडीए का नारा है-स्थिरता और सुशासन, जबकि राजद का नारा है-न्याय और अवसर। अब देखना यह है कि बिहार की जनता किस वादे को अधिक विश्वसनीय मानती है-स्थायित्व का वादा या परिवर्तन का सपना।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व न मिलना चिंता का सबब

बिहार, उत्तरप्रदेश और बंगाल ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों की खासी आबादी है। इसे मद्देनजर राजनीतिक पार्टियों को वहां मुसलमानों को भी समानुपातिक सीट देनी चाहिए। एक जमाने में काफी संख्या में मुसलमान विधायक और सांसद बनते थे। मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि मध्यप्रदेश विधानसभा में 10-12 मुसलमान विधायक रहा करते थे। मंत्रीपरिषद में भी मुसलमान रहते थे, वे स्पीकर भी बनते थे

-एल.एस. हरदेनिया

हमारे देश में ऐसी परिस्थितियां पैदा हो रही हैं कि अल्पसंख्यक तबकों को न तो संसद में और न ही राज्य विधानसभाओं में उनकी आबादी के अनुरूप प्रतिनिधित्व मिल रहा है। इस समय बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए जो टिकिट बांटे जा रहे हैं उनमें लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी, कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने बहुत कम मुसलमानों को टिकट दिए हैं।

बिहार, उत्तरप्रदेश और बंगाल ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों की खासी आबादी है। इसे मद्देनजर राजनीतिक पार्टियों को वहां मुसलमानों को भी समानुपातिक सीट देनी चाहिए। एक जमाने में काफी संख्या में मुसलमान विधायक और सांसद बनते थे। मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि मध्यप्रदेश विधानसभा में 10-12 मुसलमान विधायक रहा करते थे। मंत्रीपरिषद में भी मुसलमान रहते थे, वे स्पीकर भी बनते थे। गुलशेर अहमद मध्यप्रदेश की विधानसभा के सदस्य भी रहे और उसके स्पीकर भी। उन्होंने दोनों जिम्मेदारियां बहुत खूबसूरती से निभाईं। मध्यप्रदेश की परंपरा इतनी गौरवशाली थी कि कई मुस्लिम विधायक और सांसद ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाते थे जहां अल्पसंख्यकों की आबादी न के बराबर थी। न सिर्फ कांग्रेस उन्हें टिकट आवंटित करती थी बल्कि वहां के वोटर इतने समझदार थे कि मुसलमानों की आबादी कम होने के बाद भी वे मुसलमान उम्मीदवार को चुनते थे। ऐसे कई उदाहरण हैं। मेरे मित्र अजीज कुरैशी सीहोर से विधायक चुने गए थे, जहां मुसलमानों की आबादी बहुत कम थी। वे सांसद भी चुने गए। वे मध्यप्रदेश की मंत्री परिषद के कई बार सदस्य रहे। कु रैशी कई राज्यों के राज्यपाल भी रहे।

अब यह गौरवशाली परंपरा समाप्त हो रही है। इस समय मध्यप्रदेश की विधानसभा में सिर्फ दो विधायक मुसलमान हैं। दोनों भोपाल से हैं। इसके पिछली विधानसभा में सिर्फ एक ही मुसलमान थे, वह थे भोपाल के पुराने शहर से चुने गए आरिफ अकील। अभी एक केन्द्रीय मंत्री ने साफ कहा है कि हमें मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए और मुसलमानों को उन्होंने नमक हराम बताया। इससे खराब गाली और क्या हो सकती है? यदि यही स्थिति बनी रही तो एक दिन ऐसा भी आएगा जब पूरे देश में एक भी सांसद या विधायक मुसलमान नहीं होगा। ऐसी स्थिति आने के पूर्व हमारे देश के नेतृत्व को कुछ सोचना चाहिए। अल्पसंख्यक के नाम पर हमारे देश में केवल जैन भाईयों और सिक्ख भाईयों को प्रतिनिधित्व मिलता है, वो भी इक्का-दुक्का। जैनियों की जितनी संख्या है उसकी तुलना में उन्हें काफी ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलता है। उससे हमें कोई शिकायत नहीं है। जैन एक संपन्न कौम है। जैनियों के अनुभव और उनकी बुद्धिमत्ता उल्लेखनीय है और देश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। मगर समस्या यह है कि न सिर्फ मुसलमानों को बल्कि एक दूसरी अल्पसंख्यक कौम ईसाईयों को भी प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। पहले मध्यप्रदेश की विधानसभा में ईसाई सदस्य रहते थे। वे मंत्री भी बने और वे भी ऐसे स्थानों से चुने जाते थे जहां ईसाईयों की संख्या लगभग नगण्य होती थी। देश की एक बड़ी कौम को प्रतिनिधित्व नहीं मिलना हमारी राष्ट्रीय असफलता है। हमें इस बारे में सोचना पड़ेगा।

कई देशों में अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है। लंदन का मेयर मुसलमान है। केनडा की संसद में कई सिक्ख भाई हैं। अमेरिका में कई भारतवासी बसते हैं, जो सीनेट एवं हाउस ऑफ रिप्रिजेन्टेटिव्स के सदस्य हैं। यहां तक कि इन देशों में भारतीय हिन्दू गवर्नर भी हैं, जज भी हैं। यहां भारत में न सिर्फ चुने हुए प्रतिनिधियों में बल्कि देश की अनेक संवैधानिक संस्थाओं में भी अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व कम होता जा रहा है। न्यायपालिका, विशेषकर उच्च न्यायालयों, में भी ऐसी ही स्थिति बनती जा रही है। जो भी हो, राजनीति में इसका उपाय क्या है? जब मतदाता उन्हें नहीं चुनेंगे तो फिर उनका प्रतिनिधित्व कैसे होगा। मैं पाकिस्तान गया था। वहां की संसद की डेपुटी स्पीकर से मेरी मुलाकात हुई। उनसे मैंने पूछा कि आपके देश में बहुत सारे हिन्दू भाई रह रहे हैं जो आपके देश के विकास में योगदान दे रहे हैं और यदि वे चुनकर नहीं आते हैं आप क्या करती हैं? उन्होंने कहा कि यदि एक भी हिन्दू चुनकर नहीं आता तो हम उनको मनोनीत करते हैं। दुनिया में इस तरह के और भी देश होंगे जहां अल्पसंख्यक यदि चुनाव से प्रतिनिधित्व हासिल नहीं कर पाते तो उन्हें मनोनीत किये जाने का प्रावधान होगा। इतनी बड़ी आबादी-चाहे वह मुसलमानों की हो या ईसाईयों की, उनका देश की प्रगति में योगदान न हो यह कल्पना के बाहर की चीज है। ईसाईयों ने हमारे देश के विकास में बहुत मदद की है। सारे देश में ईसाई मिशनरियों द्वारा संचालित स्कूल और अस्पताल हैं। वे परोपकार के बहुत सारे काम करते हैं। उनका एक भी प्रतिनिधि मध्यप्रदेश विधानसभा में न होना क्या चिंता की बात नहीं है? मेरी समझ में इस चिंतनीय स्थिति को देखते हुए हमारी संसद और विधानसभाओं को सोचना चाहिए कि अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व कैसे दिलाया जाए। क्या मनोनयन के जरिए? या आनुपातिक प्रतिनिधित्व के जरिए? या किसी और तरीके से? बिहार, बंगाल, उत्तरप्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों की संख्या काफी है। इन राज्यों में तो इस तरह का प्रबंध होना ही चाहिए। बिहार के चुनाव के बाद क्या स्थिति उभरकर आती है यह देखा जाना बाकी है। भले ही बड़े राजनैतिक दलों ने उन्हें पर्याप्त संख्या में टिकट न दिया हो, मगर यह देखा जाना बाकी है कि क्या वे किसी छोटी-मोटी पार्टी से या निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में चुनकर आते हैं या नहीं। हमें इसका इंतजार करना होगा। बिहार विधानसभा के नतीजों के दिन यह साफ हो जाएगा कि बिहार, जहां बहुत गौरवपूर्ण परंपराएं रही हैं, वहां के मतदाताओं ने इस चुनाव में क्या किया।

जयंती

लक्ष्मी सहगल

जन्मः 24 अक्टूबर, 1914, मद्रास (अब चेन्नई); मृत्युः 23 जुलाई, 2012 कानपुर) महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिन्द फौज की अधिकारी थीं। वे आजाद हिन्द सरकार में महिला मामलों की मंत्री रहीं। सुभाष चंद्र बोस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेना में रहते हुए लक्ष्मी सहगल ने कई सराहनीय काम किये। उनको बेहद मुश्किल जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनके कंधों पर जिम्मेदारी थी फौज में महिलाओं को भर्ती होने के लिए प्रेरणा देना और उन्हें फौज में भर्ती कराना। लक्ष्मी सहगल ने इस जिम्मेदारी को बखूबी अंजाम तक पहुंचाया। जिस जमाने में औरतों का घर से निकालना भी जुर्म समझा जाता था, उस समय उन्होंने 500 महिलाओं की एक फौज तैयार की, जो एशिया मे अपने तरह की पहली विंग थी।

पुण्यतिथि

इस्मत चुगताई

जन्मः 21 अगस्त, 1915; मृत्युः 24 अक्टूबर, 1991, का नाम भारतीय साहित्य में एक चर्चित और सशक्त कहानीकार के रूप में विख्यात हैं। उन्होंने महिलाओं से जुड़े मुद्दों को अपनी रचनाओं में बेबाकी से उठाया और पुरुष प्रधान समाज में उन मुद्दों को चुटीले और संजीदा ढंग से पेश करने का जोखिम भी उठाया। आलोचकों के अनुसार इस्मत चुगताई ने शहरी जीवन में महिलाओं के मुद्दे पर सरल, प्रभावी और मुहावरेदार भाषा में ठीक उसी प्रकार से लेखन कार्य किया है, जिस प्रकार से प्रेमचंद ने देहात के पात्रों को बखूबी से उतारा है। इस्मत के अफसानों में औरत अपने अस्तित्व की लड़ाई से जुड़े मुद्दे उठाती है।

कल मिलेंगे

लड़की-तुम क्या कर रहे हो?, **लड़का**-मच्छर मार रहा हूं
लड़की-कितने मारे?
लड़का-5, जिसमें से 3 मेल और 2 फीमेल
लड़की-तुम्हे कैसे पता की कितने मेल हैं और कितने फीमेल?
लड़का-3 बीयर के पास बैठे थे और दो आईने के सामने....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी एवं संपादक **संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा मकान नं. 35, नियर श्री साई उपवन सोसाइटी, युसुफपुर चाक सबेरी चिपयाना, जिला-गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
(समस्त विवाद गौतम बुद्ध नगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।)
RNI No.: UPHIN/2022/83688
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanaup22@gmail.com

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

गलती सुधारे अमेरिका, वरना....टैरिफ वॉर पर चीन का सख्त रुख

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के इम्पोर्ट पर 155 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी के बाद, बीजिंग ने वॉशिंगटन को अपनी 'गलती' सुधारने और बातचीत से व्यापार के मुद्दे को सुलझाने की चेतावनी दी है। कोलकाता में चीन के महावाणिज्य दूत शू वेई ने कहा कि अगर अमेरिका नरम नहीं पड़ा, तो चीन जरूर जवाब देगा। उन्होंने ट्रेड वॉर पर चीन का रुख साफ करते हुए कहाः 'इस व्यापार युद्ध पर, जैसा कि आप जानते हैं, हमारा चीन के प्रति रुख बिल्कुल क्लियर है। हम यह टकराव नहीं चाहते। लेकिन अगर हमें मजबूर किया गया, तो हम जवाब जरूर देंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम लड़ेंगे भी।' वॉशिंगटन को बातचीत की मेज पर बुलाते हुए उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिका बातचीत करना चाहता है तो हमारे दरवाजे खुले हैं। इसलिए हम अमेरिकी सरकार से बार-बार कहते हैं कि सहयोग से दोनों पक्षों को फायदा होता है, जबकि टकराव से सभी का नुकसान होता है।' उन्होंने अमेरिका से अपनी गलती सुधारने और बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया। उन्होंने साफ किया कि 'अगर ऐसा नहीं होता है, तो चीन हमारे अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा।'

पिछले हफ्ते ट्रंप ने चीन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर दोनों देशों के बीच कोई ट्रेड डील (व्यापार समझौता) नहीं होती है, तो 1 नवंबर से 155 प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाया जा सकता है।

व्हाइट हाउस में बोलते हुए, ट्रंप ने दावा किया था कि बीजिंग, वॉशिंगटन का 'बहुत सम्मान' करता रहा है और वह अपने प्रोडक्ट्स पर अमेरिका को लगाए गए 55 प्रतिशत शुल्क के बदले 'भारी मात्रा में पैसा' दे रहा है।

उन्होंने आगे कहा था, 'कई देशों ने अमेरिका का फायदा उठाया है, और अब वे फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। चीन 55 प्रतिशत शुल्क चुका रहा है और अगर हम कोई समझौता नहीं करते हैं, तो 1 नवंबर से 155 प्रतिशत शुल्क चुकाने की संभावना है।' चीनी महावाणिज्य दूत ने बदलते ग्लोबल सिनेरियो का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और चीन के बीच सहयोग दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकता है। उन्होंने कहा, 'चीन और भारत दोनों में वास्तव में बहुत कुछ एक जैसा है। लेकिन हमारे कुछ अलग नजरिए भी हैं।

उम्मीद है कि दोनों सरकारों ने इस चैलेंज का इस्तेमाल अपने-अपने देशों के फायदे के लिए कैसे किया जाए, इस पर डिस्कस किया होगा।' उन्होंने बात खत्म करते हुए कहा, 'न केवल चीन, बल्कि अमेरिका और भारत को भी सहयोग की जरूरत है क्योंकि सहयोग से फायदा होता है और टकराव से सबको नुकसान होता है।'

विक्रम सोलर को सनश्योर एनर्जी से 148 .9 मेगावाट का मिला ठेका

(एजेन्सी)।

सौर समाधान प्रदाता विक्रम सोलर को सनश्योर एनर्जी से 148.9 मेगावाट उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल का ठेका मिला है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, 595 वॉट पावर वाले ये मॉड्यूल महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में लगाए जाएंगे। इस ठेके के तहत विक्रम सोलर सनश्योर को अपने उन्नत एम10आर एन-टाइप टॉपकॉन मॉड्यूल की आपूर्ति करेगा।

विक्रम सोलर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ज्ञानेश चौधरी ने कहा, भारत के हाल ही में 125 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का आंकड़ा पार करना, हमारी स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में बनी गति का एक सशक्त अनुस्मारक है। हम अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों की ओर तेजी से और निर्णायक रूप से बढ़ रहे हैं।

सनश्योर एनर्जी के साथ सहयोग इस प्रगति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सनश्योर एनर्जी के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी मनीष मेहता ने कहा, हमारे प्रमुख बाजारों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हमारी आगामी परियोजनाओं के लिए विक्रम सोलर के साथ साझेदारी, कुशल निष्पादन के साथ विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अवैध भारतीय ड्राइवर ने ली 3 जानें, अमेरिकी आव्रजन और लाइसेंस प्रणाली पर उठे सवाल

(एजेन्सी)।

21 वर्षीय भारतीय नागरिक, जशनप्रीत सिंह को दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक भीषण दुर्घटना के आरोप में गिरफ्तार किया गया है जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वह नशे में 18 पहियों वाला ट्रक चला रहा था। आरोपी की पहचान जशनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सिंह का ट्रक सैन बर्नार्डिनो काउंटी में इंटरस्टेट 10 पर धीमी गति से चल रहे यातायात में घुस गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। डैशकैम फुटेज से पता चला है कि टक्कर से पहले ट्रक ने ब्रेक नहीं लगाए थे, जबकि टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि दुर्घटना के समय सिंह किसी पदार्थ के नशे में थे।

होमलैंड सुरक्षा विभाग के अनुसार, सिंह एक वैध अप्रवासी नहीं था और ICE ने उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ एक बंदी बना लिया है। उस पर नशे में वाहन चलाते हुए गंभीर हत्या सहित कई आरोप हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सिंह ने 2022 में दक्षिणी सीमा के माध्यम से अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था और आव्रजन सुनवाई की प्रतीक्षा करते हुए उन्हें बिडेन प्रशासन की हिरासत के विकल्पह्व नीति के तहत रिहा कर दिया गया था। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय कानून प्रवर्तन सूत्रों ने पुष्टि की है कि सिंह का मार्च 2022 में कैलिफोर्निया के एल सेंट्रो सेक्टर में अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने सामना किया था और आव्रजन सुनवाई लंबित रहने तक उन्हें देश के अंदरूनी हिस्सों में छोड़ दिया गया था। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना में आठ वाहन शामिल थे - जिनमें चार वाणिज्यिक ट्रक शामिल थे- और इसके परिणामस्वरूप तीन लोगों की मौत हो गई और चार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ रहा है, सिंह बिना जमानत के सैन बर्नार्डिनो काउंटी में हिरासत में हैं, और उनकी अगली अदालती पेशी गुरुवार को रैंचो कुकामोंगा स्थित रैंचो सुपीरियर कोर्ट में होगी।

छठ गीत 'पलायन के दर्द' हुआ रिलीज

संजना भारती संवाददाता

बिहार में चुनाव का समय है और मनोज भावुक अपने छठ गीत में जरुरी सवाल करते हैं-कब ले पलायन के दुख लोग झेले/कब ले सुतल रहिहें एमपी-एमएलए?
सुप्रसिद्ध फिल्म गीतकार मनोज भावुक व भोजपुरी सिनेमा की स्थापित पार्श्व गायिका प्रियंका सिंह ने छठ महापर्व के मौके पर अपना नया छठ गीत ' पलायन के दर्द : सुन२ ए छठी मइया ' रिलीज किया है, जो सुनते ही लोगों को सोचने-समझने पर मजबूर कर रहा है.

कब ले पलायन के दुख लोग झेले?
कब ले सुतल रहिहें एमपी-एमेले?
गाँवहूं खुले करखनवा हो, सुन२ ए छठी मइया
असहूँ ना अइले सजनवा हो, सुन२ ए छठी मइया
गाँवे में कब मिली रोजी-रोजगार हो?
का जाने, कब जागी, यूपी-बिहार हो!
छछनेला रोजे परनवा हो, सुन२ ए छठी मइया
असहूँ ना अइले सजनवा हो, सुन२ ए छठी मइया

यह गीत प्रियंका सिंह के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है. मनोज भावुक के इस खूबसूरत व मर्मस्पर्शी बोल को संगीत दिया है विनीत शाह ने.
गीत का थीम और बोल: गीत में मनोज भावुक पलायन के दर्द को उकेरते हुए यूपी-बिहार के लोगों को जागरूक करते हैं. वह बताते हैं कि पलायन सिर्फ गाँव में अकेली रह रही ब्याहता के लिए ही नहीं, बूढ़े माँ-बाप के लिए भी एक असहनीय दर्द होता है-

बुढ़वो आ बुढ़िया त रस्ता निहारें
दिन-रात बबुआ हो बबुआ, पुकारें
बरिसत रहेला नयनवा हो, सुन ए छठी मइया
असहूँ ना अइले सजनवा हो, सुन ए छठी मइया
नयी-नवेली ब्याहता का खुद का दर्द तो है ही-
ना दिहले गोदी में कवनो खेलवना
जरतानी दिन-रात जरे जस लवना
झूठो के लागल लगनवा हो, सुन ए छठी मइया
असहूँ ना अइले सजनवा हो, सुन ए छठी मइया

लब्बोलुआब यह है कि दुनिया को स्वर्ग बनाने वाले बिहार-यूपी के लोगों के लिए पलायन सदियों से अभिशाप बना हुआ है, कभी गिरमिटिया के रूप में, कभी भिखारी ठाकुर के बिदेसिया के रूप में. यह बंद होना चाहिए और लोगों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार मिलना चाहिए. यही भजन, यही प्रार्थना है छठी मइया से इस गीत में.

भारत का एडिलेड में 17 साल का किला टूटा

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में खेला गया। इस मैच में कंगारू टीम ने भारत को हराकर वनडे सीरीज पर 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की। एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे मैच में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 264 रन बनाए। इसके जवाब में कंगारू टीम ने 46.2 ओवर में 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

265 रन का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरूआत कुछ खास नहीं रही। कप्तान मिचेल मार्श 24 गेंदों का सामना करते हुए 11 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ट्रेविस हेड ने 40 गेंद पर 28 रन बनाए। मैथ्यू शॉर्ट ने 78 गेंद पर 74 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। मैथ्यू रेन शॉ ने 30 गेंद पर 30 रन बनाए। कूपर कोनोली ने 61 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा मिच ओवन ने भी अहम योगदान दिया। वहीं, भारत के हर्षित राणा और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट मिले। इस मैच में मिली हार के साथ भारत के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ। साल 2008 के बाद एडिलेड में पहली बार भारत को वनडे में हार का सामना करना पड़ा। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही। 2 विकेट 17 रन के स्कोर तक पहुंचने में गिर गए। कप्तान शुभमन गिल 9 और विराट कोहली खाता खोले बिना आउट हुए। दोनों का विकेट जेवियर बार्टलेट ने लिया। इसके बाद रोहित और अय्यर ने तीसरे विकेट की साझेदारी में 118 रन जोड़े।

भारत ने 29.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 135 रन रन बना लिए थे। शुरूआत में काफी धीमा खेलने वाले रोहित और अय्यर दोनों ने तेजी से रन बनाना शुरू कर दिया था। रोहित मिचेल स्टार्क गेंद पर बड़ा शॉट जमाने की कोशिश में हेजलवुड के हाथों कैच आउट हुए। इसके कुछ देर बाद अय्यर भी पवेलियन लौट गए। उनका विकेट एडम जम्पा ने लिया।

विराट कोहली एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे मैच में भी अपना खाता तक नहीं खोल पाए। वह 4 गेंदों का सामना करते हुए शून्य पर आउट हुए। इस दौरान जब वह डक पर आउट होकर पवेलियन की ओर लौट रहे थे तो एडिलेड में मौजूद दर्शकों ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाई। इस पर कोहली ने रिस्पॉन्स दिया और हाथ उठाकर तालियों का शुक्रिया किया। उनके इस इशारे के बाद ये माना जा रहा है कि एडिलेड में कोहली की ये आखिरी अंतरराष्ट्रीय पारी है।

प्रतीका रावल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड की कर ली बराबरी, वनडे में हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय महिला टीम की युवा बल्लेबाज प्रतीका रावल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। वह वनडे में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाली संयुक्त रूप से पहली खिलाड़ी बन गईं। प्रतीका ने तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के रिकॉर्ड की बराबरी भी की। महिला वनडे वर्ल्ड कप के 24 मैच में भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने हैं। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मैच के दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने 11 रन के बाद बाउंड्री लगाकर अपने वनडे करियर में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वह वनडे में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाली संयुक्त रूप से पहली खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर के 37 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली, जिन्होंने अपने करियर की सिर्फ 23 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। प्रतीका ने भी अपने युवा वनडे करियर की 23वीं पारी में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। प्रतीका ने मेग लैनिंग, लॉरा वोल्वार्ड्ट और मिताली राज जैसी कई अन्य खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इसके अलावा प्रतीका ने साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा को सबसे तेज 1000 रन (दिन के हिसाब से) बनाने के मामले में पीछे छोड़ दिया।

सांसद नवीन जिंदल के आह्वान पर सांसद खेल महोत्सव में युवा दिखा रहे हैं रूचि

■ कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में लगभग तीन लाख से अधिक प्रतिभागी करवा चुके हैं पंजीकरण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल के नेतृत्व में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में युवाओं का उत्साह दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में अब तक तीन लाख से अधिक प्रतिभागियों का पंजीकरण हो चुका है। यहां के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाता प्रतीत हो रहा है।

सांसद नवीन जिन्दल स्वयं एक खिलाड़ी हैं और सांसद खेल महोत्सव को लेकर बेहद उत्साहित हैं। सांसद नवीन जिन्दल इन खेलों के पंजीकरण से लेकर आयोजन तक की प्रत्येक गतिविधि पर व्यक्तिगत रूप से नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम को निर्देश दिए हैं कि इस खेल महोत्सव को कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में भव्य और व्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाए।

सांसद जिंदल ने हाल ही में कलायत और कैथल में कार्यक्रमों के दौरान जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे खेलों के सफल आयोजन में पूरा सहयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि सभी खेल स्टेडियमों में खिलाडियों के लिए आवश्यक सुविधाएं जैसे कि पानी, स्वच्छता, फर्स्ट एड, और तकनीकी सहयोग समय पर उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सांसद कार्यालय प्रभारी रविंद्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिंदल का मानना है कि इस आयोजन से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी और ग्रामीण अंचलों में भी खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इन खेलों के माध्यम से फिटनेस और टीम भावना को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही युवाओं में आत्मविश्वास और अनुशासन का भी विकास होगा। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल के अनुसार सांसद खेल महोत्सव सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने, उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का एक अभियान है। उन्होंने सभी कार्यकताओं, स्वयंसेवकों और युवाओं से अपील की कि वे खेलों में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिंदल का विश्वास है कि युवाओं की यह भागीदारी विकसित भारत-स्वस्थ भारत के निर्माण में एक नई ऊर्जा का संचार करेगी। इस अवसर पर उपस्थित रहे।

सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में इन खेलों में भाग ले सकते हैं युवा: उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में जल्द ही टीमें बनाकर खेलों की प्रतियोगिताओं का शेड्यूल और पुरस्कार राशि की घोषणा कर दी जाएगी। बता दें कि सांसद खेल महोत्सव के तहत कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर तीन लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं, सांसद खेल महोत्सव में क्रिकेट, बॉडी बिल्डिंग, रस्सीकूद प्रतियोगिता, तीरंदाजी, हॉकी, जूडो, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, रस्साकशी, कबड्डी, पोलो, खो-खो, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स और हेल्थ वेलनेस एक्टिविटी मिला कर 15 खेल शामिल किए गए हैं। खेल महोत्सव के दौरान पोलो का डेमोंसट्रेशन मैच भी खेला जाएगा।

राजौंद के असंध मार्ग, वार्ड 6, राधा स्वामी कॉलोनी का नपा राजौंद ने करवाया चौमुखी विकास

■ कॉलोनी वासियों ने मुख्यमंत्री सैनी व नपा प्रशासन का किया धन्यवाद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के असंध मार्ग पर स्थित राधा स्वामी कॉलोनी, वार्ड नंबर 6 के नागरिकों ने हरियाणा सरकार व नपा प्रशासन राजौंद द्वारा उनकी कालोनी में करवाए गए चहुंमुखी विकास के कार्यों पर प्रसन्नता जाहिर की है।

कॉलोनी वासियों ने विकासात्मक कार्यों को हरियाणा सरकार व नपा प्रशासन की ओर से दीपावली का उपहार माना है। नागरिकों ने बताया कि उनकी कालोनी में सिवरेज पाइपलाइन व पीने के पानी की पाइपलाइन दबाई जा चुकी है। नपा राजौंद ने सभी गलियां पक्की बना दी है। सभी गलियों में स्ट्रीट लाइट लग चुकी है। कालोनी वासियों ने मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, सांसद कुरुक्षेत्र, नगर पालिका चेयरपर्सन श्रीमती बबीता, नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा, जेई अश्विनी, पार्षद बोगल राणा सहित हर उस सरकारी व प्रशासनिक अधिकारी का धन्यवाद किया है जिन्होंने इस कॉलोनी की अप्रूवल दिलवाने व जनहित की योजनाएं पूरी करने में प्राथमिकता दी है। नागरिकों ने बताया कि इस काम को अमली जामा पहुंचने में नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा, जेई अश्विनी कुमार ने विशेष भूमिका निभाई है। जिसकी वे प्रसंशा करते हैं। नागरिकों ने उनकी मांग को प्रमुखता से उठाने पर दैनिक संजना भारती समाचार पत्र का भी धन्यवाद किया है।

इस अवसर पर रामकुमार जांगड़ा, यशपाल फौजी, वीरभान जांगड़ा, रमेश शर्मा, पूर्व पार्षद व भाजपा नेता रोहित शर्मा, राममेहर जांगड़ा, नत्था शर्मा, देवी राम शर्मा, नरेंद्र शर्मा, बलवंत सिंह, बिशन दास रेडु, तेजी सेन, सत्यनारायण शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कर रही है निरंतर किसान हित के कार्य: मुख्यमंत्री नायब सैनी

■ गन्ना का एमएसपी बढ़ाने पर किसानों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर किसान हित में कार्य कर रही है। चाहे किसानों के गन्ने का एमएसपी बढ़ाने की बात हो या धान एवं गेहूं आदि फसलों की एमएसपी पर खरीद हो, हर कदम किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर में किसानों से बात कर रहे थे। आज कुरुक्षेत्र, यमुनानगर समेत कई क्षेत्रों से अनेक किसान दीपावली के अवसर पर गन्ने का एमएसपी बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद करने आए थे।

गन्ने का एमएसपी बढ़ाने से गदगद हुए किसानों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और उनके माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि दीपावली के अवसर पर बिना मांगे एमएसपी बढ़ाना किसानों के लिए सबसे बड़ा तोहफा है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने अगेती किस्म के गन्ने का रेट 400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 415 रुपये प्रति क्विंटल तथा पछेती किस्म का रेट 393 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 408 रुपये प्रति क्विंटल करके किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि गन्ने के समर्थन मूल्य में की गई बढ़ोतरी किसानों की मेहनत और समर्पण को सम्मान देने के साथ-साथ उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का यह निर्णय न केवल किसानों के हित में है बल्कि राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करने वाला है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। गन्ना किसानों को देश में सबसे अधिक समर्थन मूल्य देकर हम उनके जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि सभी 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। यही नहीं, 48 घंटे के अंदर किसानों को उनकी फसलों का भुगतान कर दिया जाता है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल की मदद से पिछले 11 सीजन में डीबीटी के माध्यम से 12 लाख किसानों के खातों में एक लाख 58 हजार करोड़ रुपए की फसल खरीद की राशि डाली गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला राज्य है जिसने भावान्तर भरपाई योजना अपनाई है। इस योजना के अंतर्गत 21 फलों, सब्जियों व मसालों को कवर करके 29,864 किसानों को 135.37 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में डाली है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि तेज बारिश या अन्य आपदा में खराब हुई फसलों की मुआवजा राशि को बढ़ाकर 15,000 रुपए प्रति एकड़ किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 33 लाख किसानों को 9626 करोड़ रुपए के क्लेम वितरित किए जा चुके हैं। पिछले 11 सालों मे प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के लिए किसानों को 15627 करोड़ रुपये की राशि का मुआवजा दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से मंडियों में धान एवं अन्य फसलों की खरीद व्यवस्था पर फीडबैक ली और कहा कि कोई कमी होगी तो उसको भी दूर किया जाएगा। मौके पर मौजूद किसानों ने प्रदेश सरकार की मंडी व्यवस्था से खुशी जाहिर की और कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आ रही है।

इस मौके पर मार्केट कमेटी पेहवा के चेयरमैन तरुण वड़ैच, यमुनानगर से रामगोपाल राणा, विलासपुर के पूर्व सरपंच राजकुमार, जलबेहडा के मदन राणा, सरपंच बलविंद्र सिंह, जगजीत सिंह, नंबरदार ज्ञानसिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

अटेला गांव के राजकीय स्कूल में आयोजित किया गया एक दिवसीय बेसिक फर्स्ट एड एवं जागरूकता सेमिनार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी एवं रेडक्रास अध्यक्ष के मार्गदर्शन में वीरवार को जिला रेडक्रॉस सोसाइटी कैथल द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय अटेला में एक दिवसीय बेसिक फर्स्ट एड एवं जागरूकता सेमिनार में प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूक किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में तुरंत एवं सही तरीके से प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए तैयार करना था। रेडक्रास सचिव रामजी लाल ने बताया कि सड़क दुर्घटनाएं एवं अन्य आपात स्थिति कभी भी हो सकती है और ऐसे समय में सही प्राथमिक उपचार से कई जान बचाई जा सकती हैं।

प्रशिक्षण में उन्हें घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने से पहले किस तरह की स्थिति में लेकर जाना चाहिए, यह तरीके सिखाए गए। यह प्रशिक्षण जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. बीरबल दलाल द्वारा दिया गया। उन्होंने दुर्घटना स्थल पर घायल व्यक्ति को संभालने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया प्रशिक्षण के दौरान किसी घायल व्यक्ति को चोट लगी है बेहोशी, रक्तस्राव को रोकने, डूबते व्यक्ति को बचाने, सांप काटे व्यक्ति को, कुत्ते काटे व्यक्ति को, या किसी व्यक्ति का किसी कारण से सांस रुक गया है तो उसे सी पी आर जैसी आपातकालीन तकनीक सीपीआर डेमो दिखाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अध्यापक सुरेंद्र सिंह, डॉ अनुराग, रणबीर सिंह व अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

प्रदेश के किसी भी विद्यार्थी की स्कॉलरशिप राशि न छूटे, अधिकारी करें सुनिश्चित: नायब सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्री मैट्रिक व पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप के तहत किसी भी विद्यार्थी की स्कॉलरशिप राशि न छूटे इसके लिए हरियाणा भवन स्थित आवासीय आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि केंद्रीय मंत्रालयों के द्वारा चलाई जा रही स्कीमों की जानकारी लेने के लिए संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर रखें और प्रदेश सरकार के विभागों को भी इस बारे में नियमित रूप से अवगत कराएं। साथ ही स्कूल व कॉलेजों के प्रिंसिपल भी विद्यार्थियों को योजनाओं की जानकारी दें और उनके स्कॉलरशिप के ऑनलाइन फार्म भी भरवाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में एससी व बीसी विद्यार्थियों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि कोई भी मेधावी व जरूरतमंद छात्र आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप योजनाओं की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होंने कहा कि हर स्कूल और कॉलेज में सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर सभी छात्रवृत्ति योजनाओं की पूरी जानकारी साफ-साफ लिखी हो ताकि विद्यार्थियों को फार्म भरने और आवेदन की प्रक्रिया में कोई कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं की ग्राउंड मॉनिटरिंग करें और समय-समय पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपें, ताकि प्रदेश सरकार अपनी 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी विद्यार्थियों के खातों में डाल सकें और शेष 60 प्रतिशत केंद्र की हिस्सेदारी सीधे डीबीटी के माध्यम विद्यार्थियों के खाते में आ सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के दाखिले के समय ही काउंसलिंग के दौरान अधिकारी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को जानकारी दें कि यदि वे स्कॉरशिप योजना के पात्रता में आते हैं तो विद्यार्थी का बैंक खाता आधार से लिंक करवाएं, ताकि उन्हें समय पर स्कॉलरशिप मिल सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष ध्यान देश के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) पर केंद्रित है, ताकि हर युवा आत्मनिर्भर बन सके और अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कर सके। इसी दिशा में हरियाणा सरकार भी राज्य के विद्यार्थियों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से जुड़े अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़ा वर्ग (बीसी) के युवाओं के कौशल को निखारने पर विशेष बल देगी। सरकार का लक्ष्य है कि ये विद्यार्थी न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें बल्कि रोजगार योग्य बनें और आत्मसम्मान के साथ समाज में अग्रणी भूमिका निभाएं।

बैठक में उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि स्कॉलरशिप योजनाएं उच्चतर शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, पशुपालन एवं डेयरी, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष विभागों द्वारा चलाई जा रही हैं।

विद्यार्थियों स्कॉलरशिप के लिए को उच्चतर शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड करना होता है। उसके बाद संबंधित कॉलेज या विश्वविद्यालय तथा विभाग द्वारा सत्यापित करना होता है। इसके उपरांत राज्य सरकार की हिस्सेदारी का 40 प्रतिशत अदायगी की जाती है। तदनुसार 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों के खाते में डाला जाता है।

पंचकूला को कौशल्या डैम से जल्द मिलेगी पेयजल आपूर्ति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंचकूला शहर को कौशल्या डैम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्षतिग्रस्त वाटर पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शीघ्र आरंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि पंचकूला के विभिन्न सेक्टरों में पूर्व की भांति ट्यूबवेल की जगह डैम से पेयजल आपूर्ति बहाल की जा सके। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्राधिकरण पिंजौर-कालका क्षेत्र में स्वच्छ पानी के भंडारण हेतु 10-12 एकड़ भूमि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को उपलब्ध करवाए ताकि यह व्यवस्था होने से पिंजौर-कालका क्षेत्रों में भी कौशल्या डैम से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति शीघ्र शुरू की जा सके। श्री नायब सिंह सैनी यहां व्यापक बांध सुरक्षा से संबंधित एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सभी संबंधित विभागों को पेयजल आपूर्ति के लिए भू-जल (ग्राउंड वाटर) की बजाय सतही जल (सरफेस वाटर) पर निर्भर रहना चाहिए तथा वर्षा के जल को वैज्ञानिक तरीके से संचित कर उसके उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कजौली वाटर वर्क्स से होने वाली पानी की सप्लाई को सुदृढ़ किया जाए तथा पानी सप्लाई करने वाली मोटरों की क्षमता बढ़ाई जाए जिससे कजौली वाटर वर्क्स से पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सके।

पेंशन प्राप्त करने वाले सेवानिवृत कर्मचारी खजाना कार्यालय में जमा करवाएं अपना जीवन प्रमाण पत्र: जिला खजाना अधिकारी

एसबी संवाददाता

कैथल। जिला खजाना अधिकारी हेमंत कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार से सेवानिवृत कर्मचारी जो कि जिला खजाना कार्यालय कैथल व अधीनस्थ उप खजाना कार्यालय के माध्यम से पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, उनको कि हर वर्ष माह नवंबर में जीवन प्रमाण पत्र देना होता है। आप अपना जीवन प्रमाण पत्र निम्न समय सारणी अनुसार जमा करवा सकते हैं। नवंबर के पहले सप्ताह में अंग्रेजी के एल्फाबेट के अनुसार ए से जी, नवंबर के दूसरे सप्ताह में एच से पी, नवंबर के तीसरे सप्ताह में आर से एस, नवंबर के चौथे सप्ताह में टी से जेड तक नाम वाले व्यक्ति जिला खजाना कार्यालय में आ सकते हैं।

पेंशनभोगी अपने साथ अपना आधार कार्ड, पीपीओ (पेंशन कॉपी जो कि खजाना कार्यालय माध्यम से प्राप्त हुई हैं), पेन कार्ड व स्वयं का मोबाइल साथ लेकर आएं।

ओबीसी बिग्रेड की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

मंजू पांचाल महिला सैल की प्रदेश अध्यक्ष व पूर्ण चंद जांगड़ा बने भिवानी जिलाध्यक्ष

संजना भारती संवाददाता

भिवानी। स्थानीय दादरी गेट स्थित ओबीसी बिग्रेड हरियाणा के कार्यालय में वीरवार को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने की। इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा पर चर्चा हुई। जिसमें सर्वसम्मति से पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

इस बारे में जानकारी देते हुए तंवर ने बताया कि नवनियुक्त कार्यकारिणी में सेवानिवृत्त आयुक्त सूरत सिंह बावलिया, पूर्व चीफ मार्केटिंग बोर्ड रामधन पुंडीर, रामकुमार सुधीवास को मुख्य संरक्षक, अधिवक्ता सुरेंद्र रोहिल्ला को मुख्य महासचिव, डा. मुखत्यार सिंह सदर, डा. श्रीकिशन बागोरिया को महासचिव, मा. देशराज प्रजापति, शोयब आलम, करता राम कश्यप, ईश्वर सिंह सैनी को उपप्रधान, रामकुमार प्रजापति को मुख्य संगठन सचिव, गोविंद राम सैनी, श्यामपाल रोहिल्ला, बलजीत सरपंच, राजेंद्र जाखड़ को संगठन सचिव, रोहताश सैनी, पवन कश्यप, देशराज कैथल, शिव कुमार जोगी को सचिव, सुभाष भाटी एडवोकेट को लीगल सैल का अध्यक्ष, सुभाष एडवोकेट को महासचिव, मंजू पांचाल को महिला सैल की प्रदेश अध्यक्ष, सुरेंद्र इंदाछुई को युवा प्रदेश अध्यक्ष, रणबीर भाटी को युवा महासचिव, देवेंद्र एडवोकेट को युवा उपप्रधान, डा. तुलसीराम बुल्ला को कोषाध्यक्ष, रोहताश वर्मा, नरेश जांगड़ा को प्रवक्ता, कर्ण सिंह रानौलिया को अनुशासन कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया। तंवर ने बताया कि पूर्ण चंद जांगड़ा को भिवानी जिला अध्यक्ष, बबलू प्रजापति को महासचिव, सज्जन सैन को संगठन सचिव, मुकेश सोनी को उपप्रधान, श्रीकिशन सैन को उपप्रधान नियुक्त किया गया।

वही अंबाला से मुकेश प्रजापति को अंबाला जिला अध्यक्ष व रिंकू को महासचिव नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने कहा कि ओबीसी बिग्रेड का उद्देश्य पिछड़ा वर्ग के हितों की आवाज को मजबूत तरीके से सरकार तक पहुंचाना है, ताकि पिछड़ा वर्ग के लोगों के शोषण पर रोक लगाई जा सकें। उन्होंने बताया कि अन्य जिलों की कार्यकारिणी भी जल्द ही घोषित की जाएगी।

1 नवंबर से ऑनलाइन डीड पंजीकरण अनिवार्य-वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा की वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दृष्टिकोण के अनुसार, 1 नवंबर, 2025 से राज्य के सभी 22 जिलों में कागज रहित डीड पंजीकरण अनिवार्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल शासन की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम उठाते हुए हरियाणा सरकार का यह कदम पारंपरिक जटिल पंजीकरण प्रणाली से पूरी तरह से निजात दिलाकर सरल , डिजिटल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल प्लेटफॉर्म https://eregistration.revenue-haryana.gov.in/ बन जाएगा। कार्यान्वयन तिथि के बाद, मौजूदा प्रणाली स्थायी रूप से बंद कर दी जाएगी, जिससे हरियाणा भारत में 100% कागज रहित संपत्ति पंजीकरण प्राप्त करने वाला पहला राज्य बन जाएगा। डॉ मिश्रा ने बताया कि राजस्व विभाग ने राज्य भर में सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से रणनीति अपनाई है।

श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज की भजन संध्या 24 अक्टूबर को

छटी विशाल भजन संध्या हेतु दिए जा रहे निमंत्रण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज ट्रस्ट पंचकूला के तत्वाधान में एक शाम मेहंदीपुर बाला जी के नाम आयोजित की जा रही है। ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश बंसल ने बताया कि शुक्रवार 24 अक्टूबर को श्री हनुमान जी महाराज की भजन संध्या आयोजित होने जा रही है। यह भजन संध्या पंचकूला के सेक्टर 20 स्थित नए बने महाराज अग्रसेन भवन में होगी। उन्होंने बताया कि श्री मेंहदीपुर बालाजी महाराज ट्रस्ट पंचकूला द्वारा यह छटी विशाल भजन संध्या है। इसमें ज्योति ट्राइसिटी के जाने माने समाजसेवी सत्यभागवान सिंगला मुख्यातिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे।

दिनेश बंसल ने जानकारी में बताया कि इस भजन संध्या में जाने माने भजन प्रवाहक शोभित रोहिल्ला के साथ साथ अन्य प्रख्यात भजन गायक बालाजी महाराज के भजनों का गुणगान कर उपस्थित भक्तजनों, श्रद्धालुओं को आनंदित करने का प्रयास करेंगे। भजन संध्या के दौरान सिंदूरी हनुमान जी की झांकी भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

इस भजन संध्या की सफलता को लेकर ट्रस्ट का प्रत्येक सदस्य कार्यों में जुटा हुआ है। इस संदर्भ पंचकूला के जाने माने समाजसेवीयों, संतों, प्रख्यात हस्तियों को निमंत्रण पत्र दिए गए हैं। सभी सदस्य फोन द्वारा भी ज्यादातर लोगों, भक्तजनों को आमंत्रण दे रहे हैं।

इस संदर्भ में प्रख्यात संत विकास दास महाराज, मुख्य अतिथि सत्य भगवान सिंगला, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, मेयर कुलभूषण गोयल, पंचकूला अग्रवाल सभा के कन्वीनर अमित जिंदल, पंचकूला की सभी सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं समेत अनेकों भक्तजनों, श्रद्धालुओं को निमंत्रण पत्र दिए गए हैं।

हनुमान जी की इस भव्य विशाल भजन संध्या में प्रसाद के तौर पर लड्डू, फल, जूस आदि वितरित किए जायेंगे। इस अवसर पर दिनेश गुप्ता, पवन कुमार बंसल, अशोक अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, सीए नरेश सिंगला, सिद्धार्थ बंसल, सतीश मंगला, रमन सिंगला, सीए अरुण कुमार, कर्ण गर्ग, कुलदीप गुप्ता, विजय अग्रवाल, युवराज गोयल, अमित वधवा, नरेश मित्तल, हेमंत जिंदल, पवन बंसल, नरेश शर्मा, सुधीर दयाल, नवीन गर्ग आदि ट्रस्टी मौजूद रहे।

कार्तिक स्नान एवं छठ पूजन पर मंदिर ठिकाना गलता जी परिसर में आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने दुरुस्त किये इंतजाम

■ जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। कार्तिक स्नान एवं छट पूजन के लिए मंदिर ठिकाना गलता जी के मंदिरों में जिला प्रशासन ने आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त की हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी कार्तिक स्नान एवं छठ पूजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आयोजन से जुड़े सभी इंतजामों के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक होने वाले आयोजन की समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री आशीष कुमार के नेतृत्व में नगर निगम, देवस्थान विभाग सहित अन्य अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया।

जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने आयोजन के लिए उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम एवं उपखंड अधिकारी जयपुर उत्तर को समग्र प्रभारी और तहसीलदार जयपुर को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। इन्हें सभी विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए हैं।

नगर निगम के अधिकारियों को परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई एवं रोशनी की व्यवस्था करने, फायर ब्रिगेड की मय प्रशिक्षित स्टाफ तैनाती करने, भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेटिंग की व्यवस्था करने, अतिक्रमण हटाने, मोबाइल शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं, पुलिस उपायुक्त, जयपुर उत्तर को भीड़ नियंत्रण करने के लिए अस्थाई नियंत्रण कक्ष स्थापित करने, परिसर में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगवाने, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने एवं उनकी जांच करने करने के निर्देश दिये गए हैं।

वहीं, यातायात पुलिस उपायुक्त को मेले परिसर में वाहनों की समुचित पार्किंग एवं सुगम यातायात के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने, मेला परिसर की पार्किंग में लावारिस वाहनों एवं संदिग्ध वस्तुओं की जांच करने के निर्देश दिये गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय को मेला समाप्ति तक मेला परिसर में आवश्यकतानुसार चिकित्सा वाहन उपलब्ध करवाने, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ के साथ-साथ आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये हैं। वहीं, अधीक्षण अभियंता, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को निर्बाध विद्युत आपूर्ति, खुले तारों एवं विद्युत बॉक्स को दुरूस्त करवाने एवं अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को पेयजल आपूर्ति हेतु टैंकरों की व्यवस्था सहित संबंधित व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए निर्देशित किया गया है।

इसके अतिरिक्त उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा एवं सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग को भी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बहनों की मुस्कान ही सरकार की पूंजी है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

■ भाईदूज हमारी संस्कृति की आत्मा, भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का है प्रतीक

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाईदूज हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह पर्व भाई और बहन के सहोदर स्नेह, परस्पर अपनत्व का प्रतीक है। भाईदूज भाई-बहन के पवित्र बंधन के नैसर्गिक संरक्षण और पारिवारिक जीवन मूल्यों को मजबूत बनाता है। यह पर्व भारतीय समाज की उस देशज परम्परा का निर्वहन है, जहां बहन के स्नेह में भाई का नैतिक दायित्व और जीवन पर्यन्त रक्षा का संकल्प निहित होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाईदूज का यह पर्व न केवल भाई-बहन के स्नेह का उत्सव है, बल्कि सामाजिक एकता, नारी सम्मान के साथ हमारे पारिवारिक जीवन मूल्यों के संरक्षण का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित (भातृ द्वितीया/यम द्वितीया) भाईदूज के विशेष कार्यक्रम में बहनों को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के साथ आत्मीय संवाद कर सभी को भाईदूज की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश की बहनों के साथ संवाद के दौरान उनसे राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भावी प्राथमिकताओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे लाड़ली बहनों के रूप में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक बहनें मिली हैं। हम बहनों के जीवन में नई रोशनी, नई खुशी जोड़ रहे हैं। प्रदेश की सभी लाडली बहनों को अब हर माह 1500 रुपए मिलेंगे।

बहनों के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। बहनों के शब्द और उद्गार सुनकर अभिभूत हूं। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती का समग्र रूप हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश है, जहां लाड़ली बहना योजना से हमारी बहनें हर महीने राखी और भाईदूज मनाती हैं। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों की समृद्धि का सीधा मार्ग है। किसी भी जरूरत के वक्त लाड़ली बहनों को इस योजना से बड़ा संबल और सहयोग मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लाड़ली बहनों को हमारी सरकार अब तक 29 किश्तों में करीब 45 हजार करोड़ रुपए की सहायता राशि दे चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों की मुस्कान ही मध्यप्रदेश की और हमारी सरकार की जमा पूंजी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भाईदूज के पावन पर्व पर सभी लाड़ली बहनों पर पुष्पवर्षा कर भाईदूज की बधाई देकर मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित बहनों ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाया, साफा पहनाया, नारियल भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों को उपहार भेंट दी और मिठाई खिलाकर आभार जताया। कार्यक्रम में मौजूद लाड़ली बहनों ने भाई-बहन के प्रेम और स्नेह पर केन्द्रित निमाड़ी लोकगीत गाये, नृत्य किया और परम्परागत स्वर लहरियों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम स्थल को अपनत्व से भाव-विभोर कर दिया। लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का तिलक कर उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों का आशीर्वाद सदैव सरकार के साथ है। इसी कारण हम निर्भय होकर काम कर पाते हैं। आज बड़े सौभाग्य का दिन है। प्रदेश का मुख्यमंत्री निवास बहनों का घर बना है। बहनों के माध्यम से दो परिवार एक साथ जुड़ते हैं। बहनों का हृदय विशाल है। वे शादी के बाद नए घर में जाकर नए माता-पिता के साथ रहती हैं। सनातन संस्कृति में उन्हें जगदंबा और लक्ष्मी का रूप कहा जाता है। वे परेशानी के समय परिवार के साथ सदैव चट्टान की तरह खड़ी रहती है। प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी बहनों की ताकत 2029 में और बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर वीरांगनाओं को भी याद करते हुए कहा कि रानी दुर्गावती ने अपने शौर्य के बल पर मुगलों के साथ 52 युद्ध लड़े। रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से लोहा लिया और रानी अवंति बाई लोधी जैसी अनेक देवियों ने देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है।

बालोतरा में आदर्श विद्या मंदिर सिणधरी का नवनिर्मित भवन लोकार्पित

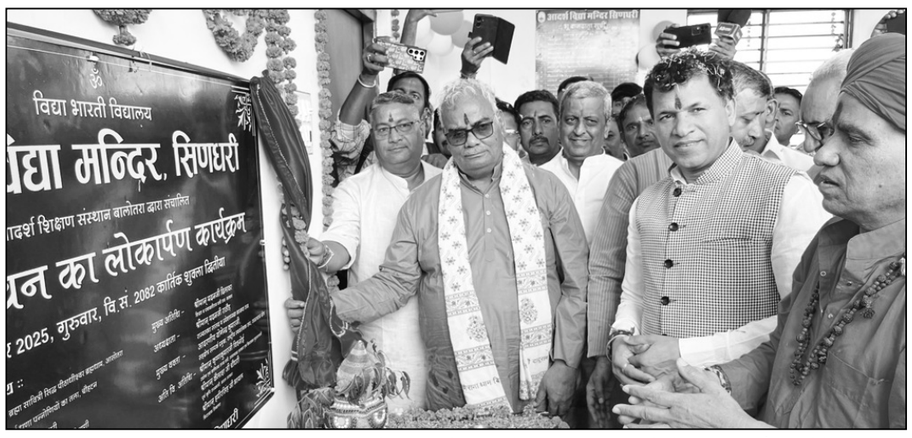

एसबी संवाददाता

जयपुर। बालोतरा जिले के सिणधरी स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर में आज नवनिर्मित भवन का लोकार्पण संतो के सानिध्य में बड़े धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश के कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, उद्योग राज्य मंत्री के.के. बिश्नोई, एवं विधायक हमीर सिंह भायल उपस्थित रहे।

समारोह में भामाशाह समन्द्र सिंह नौसर सहित संस्थान को सहयोग देने वाले अन्य भामाशाहों को श्रीराम चित्र और श्रीरामचरितमानस भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राष्ट्र के लिए विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षा के मंदिरों में ही संभव है। उन्होंने राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों को लेकर विस्तार से चर्चा की और कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को संस्कारों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना का केंद्र हैं।

कार्यक्रम में संत-महात्माओं ने भी आशीर्वचन दिए और विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, सेवा और संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी।

कार्य पद्धति को बेहतर बनाने के लिए करें नवाचार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एसबी संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कार्य पद्धति को बेहतर बनाकर नए प्रयोगों और नवाचारों के माध्यम से नागरिकों के कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे करने के प्रयास किए जाएं। सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत जिन जिलों अथवा क्षेत्रों में न्यूनतम शिकायतें होंगी, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में शिकायतें शून्य स्थिति में हैं उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों से अधिकारी-कर्मचारी सुशासन स्थापित करें। समाधान ऑनलाइन समीक्षा में प्रकरणों में कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले 3 कर्मियों को निलंबित करने के साथ ही 19 अधिकारियों-कर्मचारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5 शासकीय सेवकों की वेतन वृद्धि रोकने, 6 को कारण बताओ नोटिस देने, 7 प्रकरण में अनुशासनात्मक कार्यवाही और एक प्रकरण में दोषी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीसी द्वारा समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में नागरिकों के लंबित प्रकरणों के समाधान की कार्यवाही करवाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि आम लोगों के हित में प्रशासनिक अमला दक्षता से कार्य करे। बीते महीनों में हुए श्रेष्ठ कार्यों के लिए जिला स्तर पर रायसेन एवं दतिया जिले और विभाग स्तर पर ऊर्जा विभाग प्रथम स्थान पर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चार अधिकारियों श्री के.के. दुबे उपनिरीक्षक थाना रावतपुरा जिला भिंड, श्री वेंकटेश नेरकर कनिष्ठ अभियंता ऊर्जा मंडला, डॉ नंदिता निगम, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी धार और श्री कमलेश शुक्ला, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सतना को सितम्बर माह में सीएम हेल्पलाइन में मिली शिकायतों के शत-प्रतिशत निराकरण के लिए उच्च प्रदर्शन के लिए बधाई दी। समाधान ऑनलाइन बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष समाधान ऑनलाइन समीक्षा बैठक में छात्रवृत्ति, आहार अनुदान, भू-अर्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और शिक्षकों की उपस्थिति से संबंधित प्रकरणों पर कार्रवाई हुई। अनूपपुर जिले के आवेदक श्री सीता बैगा ने आहार अनुदान की राशि प्राप्त न होने की शिकायत की थी। आवेदक को राशि का भुगतान करवाते हुए विलंब के लिए दोषी ग्राम पंचायत सचिव के निलंबन और सहायक आयुक्त कार्यालय के दोषी शासकीय सेवक की वेतन वृद्धि रोकी गई। रीवा जिले के श्री आशीष बहेलिया की लैपटॉप की राशि का भुगतान करवाया गया। इस तरह के लंबित अन्य प्रकरणों में भी तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। दोषी शासकीय सेवक के निलंबन और विभागीय जांच के निर्देश दिए गए। डिण्डोरी जिले के आवेदक श्री उज्जवल साहू की पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति का भुगतान करवाया गया। पोर्टल की समस्या के कारण इस कार्य में विलंब होना पाया गया जिसके फलस्वरूप दोषियों को दण्डित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंदसौर जिले के आवेदक श्री योगेश द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना की राशि में विलंब के लिए भी अधिकारियों-कर्मचारियों का दायित्व निर्धारित कर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

हरजोत सिंह बैंस और दीपक बाली ने जत्थेदार ज्ञानी कुलवंत सिंह को श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी समारोह के लिए दिया आमंत्रण

■ पंजाब के शिक्षा मंत्री ने पावन स्थल पर हुई अपनी 'दस्तारबंदी' को किया याद

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/नांदेड़। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार दीपक बाली ने आज तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ (महाराष्ट्र) में नतमस्तक होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उन्होंने तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलवंत सिंह जी से भेंट कर उन्हें 23 से 25 नवंबर, 2025 तक श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित होने वाले नौवें पातिशाह श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। इस अवसर पर तख्त साहिब के प्रबंधकों ने हरजोत सिंह बैंस को दस्तार सजाई और सिरोपा भेंट किया।

भेंटवार्ता के दौरान हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि दसमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चरण छोह पावन स्थल पर नतमस्तक होना उनके लिए अत्यंत भाग्यशाली अनुभव है। उन्होंने तख्त साहिब पर हुई अपनी दस्तारबंदी को याद किया। बैंस ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी की लासानी शहादत से संबंधित यादगारी समारोहों का हिस्सा बनना उनके लिए आध्यात्मिक अनुभव है। उन्होंने कहा कि यह केवल आमंत्रण नहीं है, बल्कि पंजाब की पवित्र धरती की ओर से तख्त साहिब के जत्थेदार को सम्मान और ससम्मान अपील भी है।

हरजोत सिंह बैंस ने ज्ञानी कुलवंत सिंह जी को अवगत कराया कि श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित शहीदी समारोह में विश्वभर से एक करोड़ से अधिक संगत के आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 19 से 30 नवंबर तक रोजाना 11,000 से अधिक संगत की ठहराई के लिए पवित्र शहर में टेंट सिटी (चक्क नानकी) स्थापित की जा रही है। उन्होंने बताया कि शहीदी समारोह 23 नवंबर को सुबह 10 बजे श्री अखंड पाठ साहिब के साथ प्रारंभ होंगे। इसके पश्चात सर्वधर्म सम्मेलन, विरासत-ए-खालसा में प्रदर्शनी, शाम 5 बजे गुरु तेग बहादर साहिब जी के जीवन और लासानी शहादत को दर्शाता अद्वितीय ड्रोन शो, और शाम 6 बजे कीर्तन दरबार का आयोजन होगा। रात में शहादत दी लोअ के माध्यम से पवित्र शहर मशालों की रौशनी से जगमगाएगा। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर को नगर कीर्तन सीस भेंट श्री कीरतपुर साहिब से श्री आनंदपुर साहिब तक आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त इतिहास में पहली बार श्री आनंदपुर साहिब स्थित भाई जैता जी स्मारक में शहीदी समारोहों के लिए पंजाब विधान सभा का विशेष सत्र भी आयोजित किया जाएगा। 25 नवंबर को अखंड पाठ साहिब का भोग होगा, जिसके उपरांत प्रसिद्ध कीर्तनियों द्वारा नौवें पातिशाह के शब्दों का गायन किया जाएगा।

हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब सरकार श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को अत्यंत सम्मान और श्रद्धा के साथ मना रही है। इस अवसर पर गुरु साहिब की निस्वार्थ सेवा, धर्म की रक्षा, सच्चाई पर डटकर कायम रहना और मानव अधिकारों के लिए संघर्ष जैसे शाश्वत सिद्धांतों को प्रदर्शित किया जाएगा और व्यापक जनमानस तक पहुँचाया जाएगा।

अंबाला छावनी में निर्माणाधीन स्मारक आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित एशिया का सबसे बड़ा स्मारक: अनिल विज

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि सन 1857 में लड़ी गई आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित अंबाला छावनी में निर्माणाधीन शहीद स्मारक एशिया का सबसे बड़ा स्मारक है। इस स्मारक के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता संग्राम की सच्चाई और शहीदों की कुर्बानियों से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में इस स्मारक के उदघाटन होने की संभावना है और उनके द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया गया है कि वे इस विशाल व महत्वपूर्ण शहीद स्मारक का उदघाटन अपने कर-कमलों से करें।

श्री अनिल विज ने बताया कि आजादी की पहली लड़ाई में अत्यंत क्रूरता हुई। लोगों को पेड़ों से बांधकर गोलियों से मारा गया, कई सालों तक जेलों में रखा गया और कई रेजिमेंटों को भंग कर दिया गया। उन वीर शहीदों को आज तक उचित सम्मान नहीं मिला। उनकी कहानियों को लोगों के सामने नहीं लाया गया, उनके गीत नहीं गाए गए और उनके बलिदान के लिए कोई विशेष दिन नहीं मनाया गया। इस सच्चाई को सामने लाने के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास और संघर्ष किया। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक अब लगभग तैयार हो चुका है। इसका उद्घाटन नवंबर के अंतिम सप्ताह में होने की संभावना है। श्री विज ने कहा कि चूंकि यह स्मारक अत्यंत विशाल और महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से प्रार्थना की है कि इस शहीद स्मारक का उद्घाटन प्रधानमंत्री के कर-कमलों से करें।